FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-26-27
DEPARTMENT OF HINDI
COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program : Bachelor in ArtsHonors/ Honorse with Research		Semester-II	Session 26-27
1	Course Code	HNGE-02	
2	Course Title	हिंदी साहित्य का इतिहास–आधुनिक काल	
3	Course Type	GE	
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement	
5	Course Learning Outscom (CLO)	1. युगीन परिस्थितियों एवं साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर विद्यार्थी पुनर्जागरण काल एवं जागरण काल सुधार काल के प्रमुख रचनाकारें की उपादेयता को गहनता से समझ सकेंगे। 2. हिंदी पद्य के साथ गद्य के क्रमबद्ध विकास को समझ सकेंगे। 3. छायावाद एवं छायावादोत्तर काव्य के माध्यम से तत्कालीन स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि से विद्यार्थी अवगत होंगे। 4. स्वातंत्र्योत्तर पद्य एवं गद्य की विभिन्न विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी बदलते हुए सामाजिक सांस्कृतिक मूल्यों को समझने में सक्षम हो सकेंगे। 5. भूमंडलीकरण के दौर में युगीन हिंदी साहित्य को विश्व साहित्य के समानांतर रखकर मूल्यांकनपरक दृष्टि एवं समझ का विकास हो सकेगा।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**आधुनिककाल व हिंदी नवजागरण–भारतेंदु युग** अ : आधुनिक काल की राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, एवं सांस्कृ पृष्ठभूमि, हिंदी नवजागरण ब– भारतेन्दु युग–प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं साहित्यिक विशेषताएं	15
II	**द्विवेदीयुग व छायावाद** अः द्विवेदी युग के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं। ब : छायावाद के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं।	15
III	**छायावादोत्तर काल (विभिन्न प्रवृत्तियां)** **अः** प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं। **बः** नई कविता व समकालीन कविता के प्रमुख साहित्यकार, साहित्य एवं विशेषताएं।	15
IV	**हिंदी गद्य का विकास** **अः** कहानी एवं उपन्यास का उद्भव एवं विकास, सामान्य प्रवृत्तियां व प्रमुख कथाकार, उपन्यासकार **बः** निबंध और नाटक का उद्भव एवं विकास, सामान्य प्रवृत्तियां व प्रमुख निबंधकार तथा नाटककार	15

संदर्भ ग्रंथः

1. हिंदी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद
2. हिंदी साहित्य का इतिहास–डॉ नगेन्द्र, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली